ASTRO ARPITA NATH

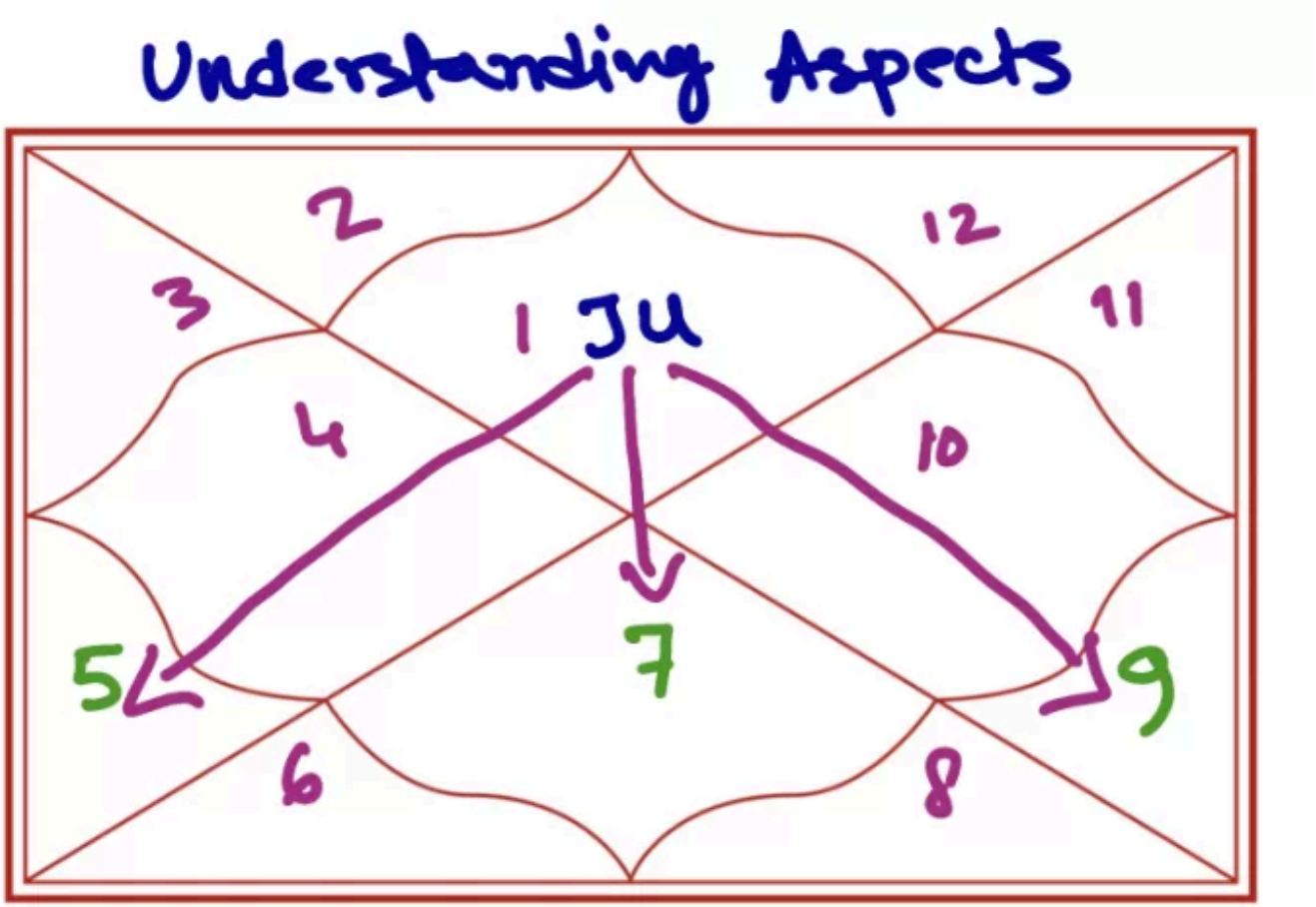
ग्रहों की दृष्टियां (दृष्टि) और प्रभाव

Arpita Nath द्वारा · कुंडली कैसे पढ़ें · 2026-07-28

वैदिक ज्योतिष (Jyotish) में, ग्रह केवल उसी भाव को प्रभावित नहीं करते जिसमें वे बैठे होते हैं - वे आपकी जन्म कुंडली (Kundli) के अन्य भावों को भी "देखते" हैं और उन पर प्रभाव डालते हैं। इस ब्रह्मांडीय दृष्टि या नज़र को ग्रह दृष्टि (Graha Drishti / Planetary Aspect) कहा जाता है।

जब कोई ग्रह किसी भाव या अन्य ग्रह पर दृष्टि डालता है, तो वह अपनी स्वाभाविक ऊर्जा, विशेषताओं और प्रभाव को आपके जीवन के उस क्षेत्र में केंद्रित करता है - कभी उस पर शुभ प्रभाव डालता है, तो कभी चुनौतियाँ खड़ी करता है।

ग्रहों की दृष्टियों के मुख्य नियम



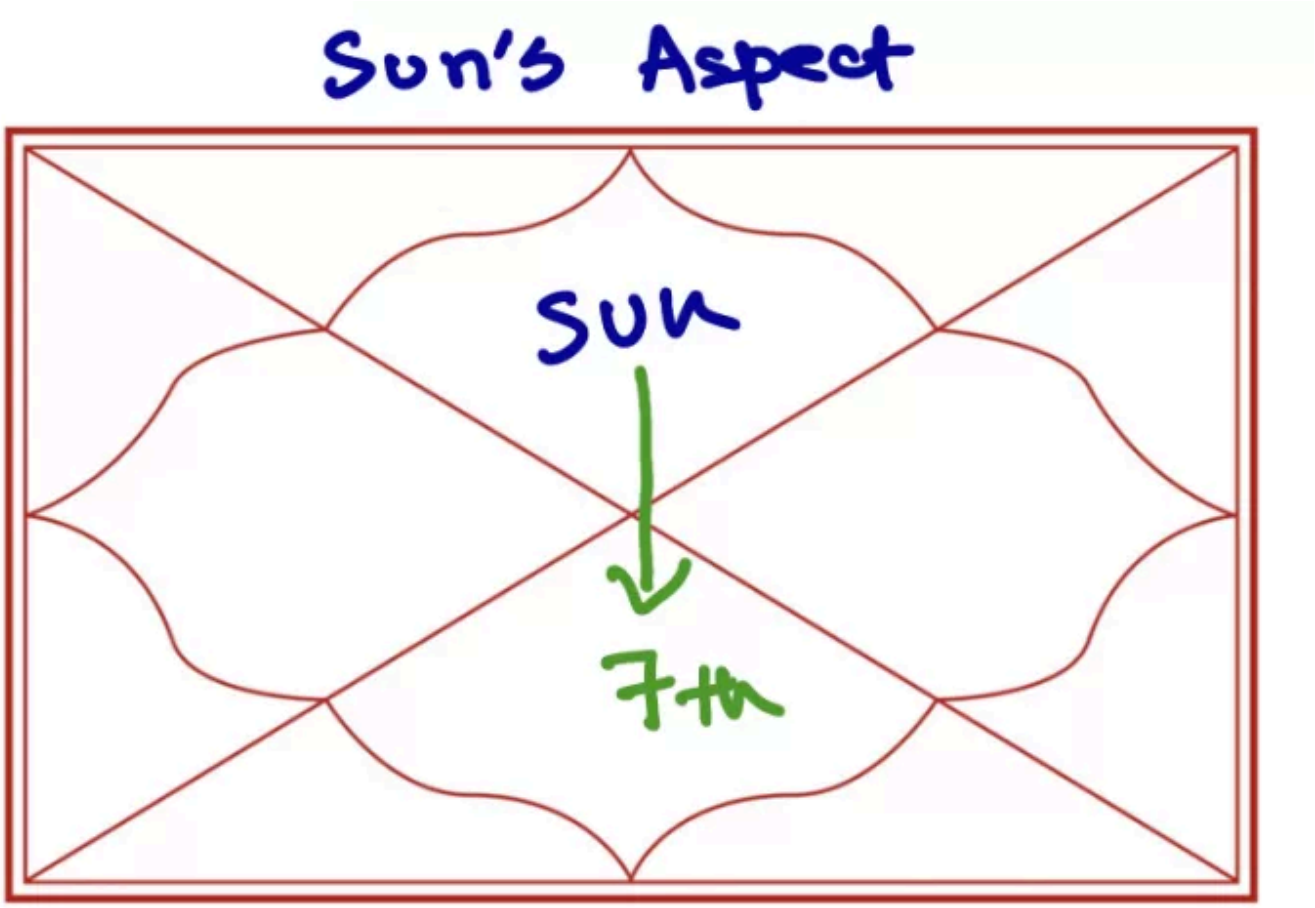
1. भाव को "1" के रूप में गिनें: दृष्टियों की गणना करते समय, हमेशा उस भाव से गिनना शुरू करें जहां ग्रह वर्तमान में स्थित है।

2. सार्वभौमिक 7वीं दृष्टि: प्रत्येक ग्रह अपने से ठीक सामने स्थित 7वें भाव पर पूर्ण 100% दृष्टि डालता है।

3. विशेष दृष्टियां (विशेष दृष्टि): तीन ग्रहों - मंगल, बृहस्पति और शनि के पास उनकी विशाल ब्रह्मांडीय भूमिकाओं के कारण अतिरिक्त विशेष पूर्ण दृष्टियां होती हैं।

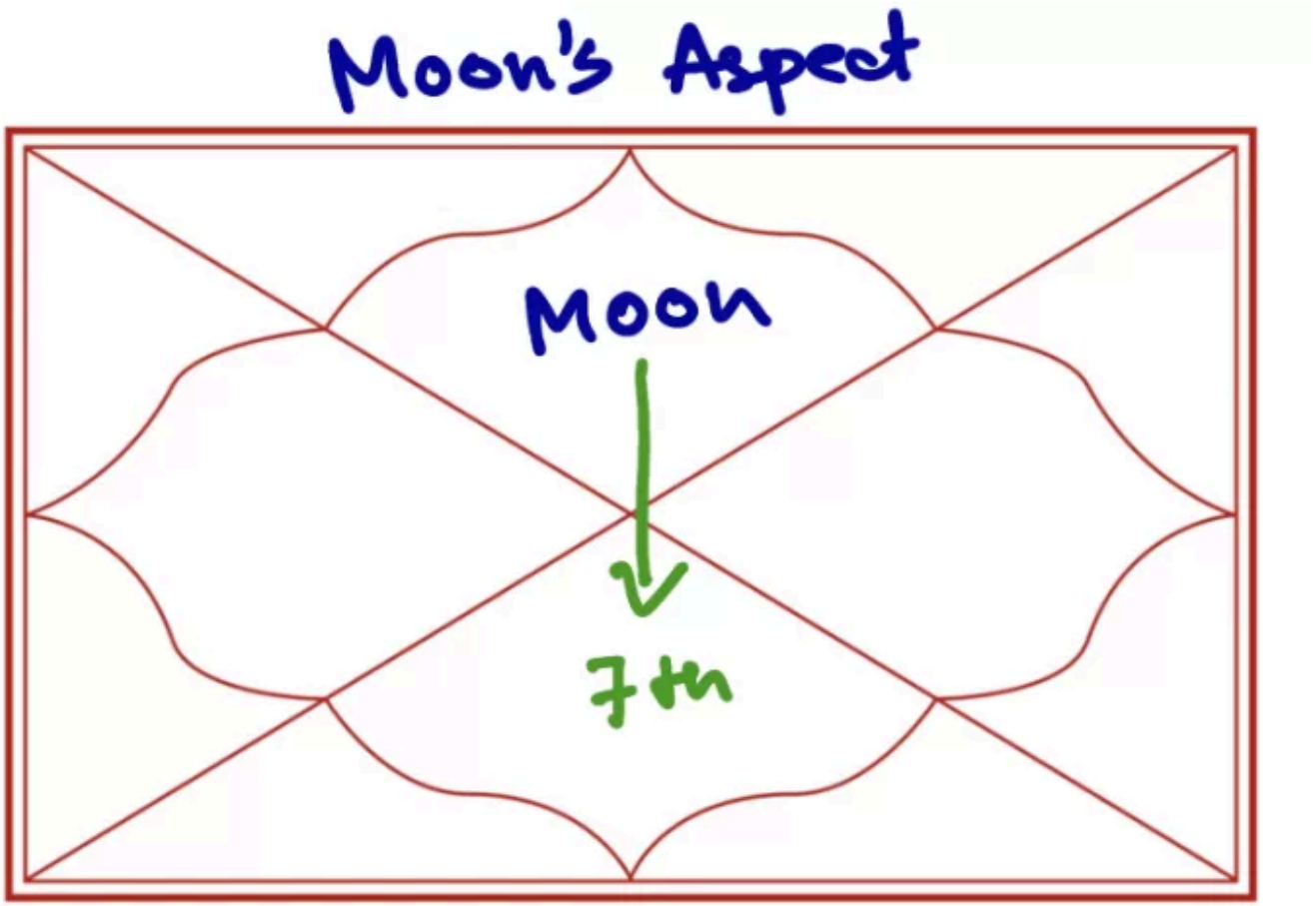
प्रत्येक ग्रह की दृष्टि का विवरण

1. सूर्य (The Sun)



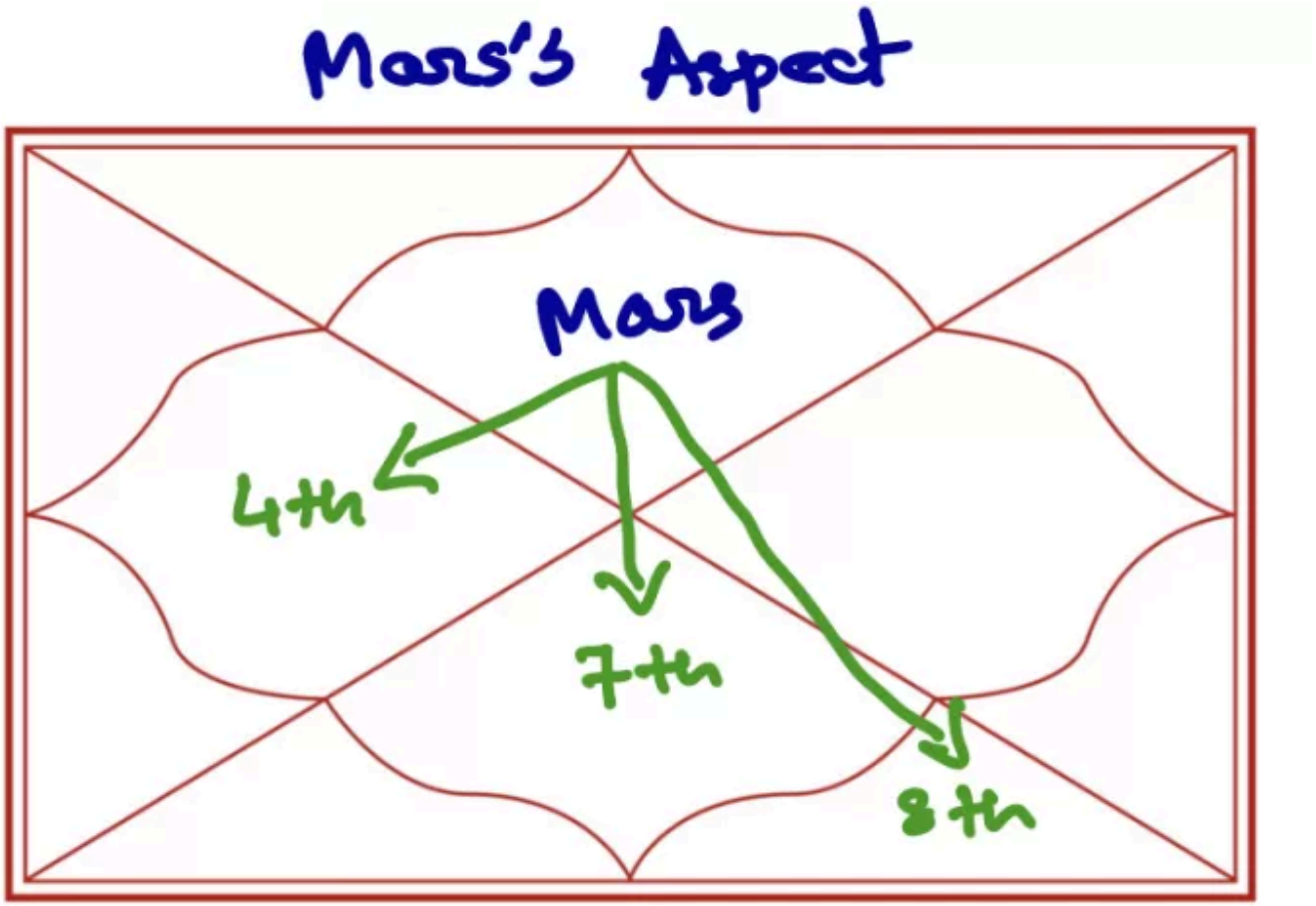
• **पूर्ण दृष्टि (100%):** 7वां भाव
• **दृष्टि का स्वभाव:** अपनी स्थिति से 7वें भाव में ताप, ध्यान, अधिकार और अहंकार लाता है। यह उस भाव को प्रकाशित करता है, लेकिन संवेदनशील मामलों में तपन पैदा कर सकता है या शक्ति संघर्ष (पावर डायनामिक्स) बना सकता है।

2. चंद्र (The Moon)



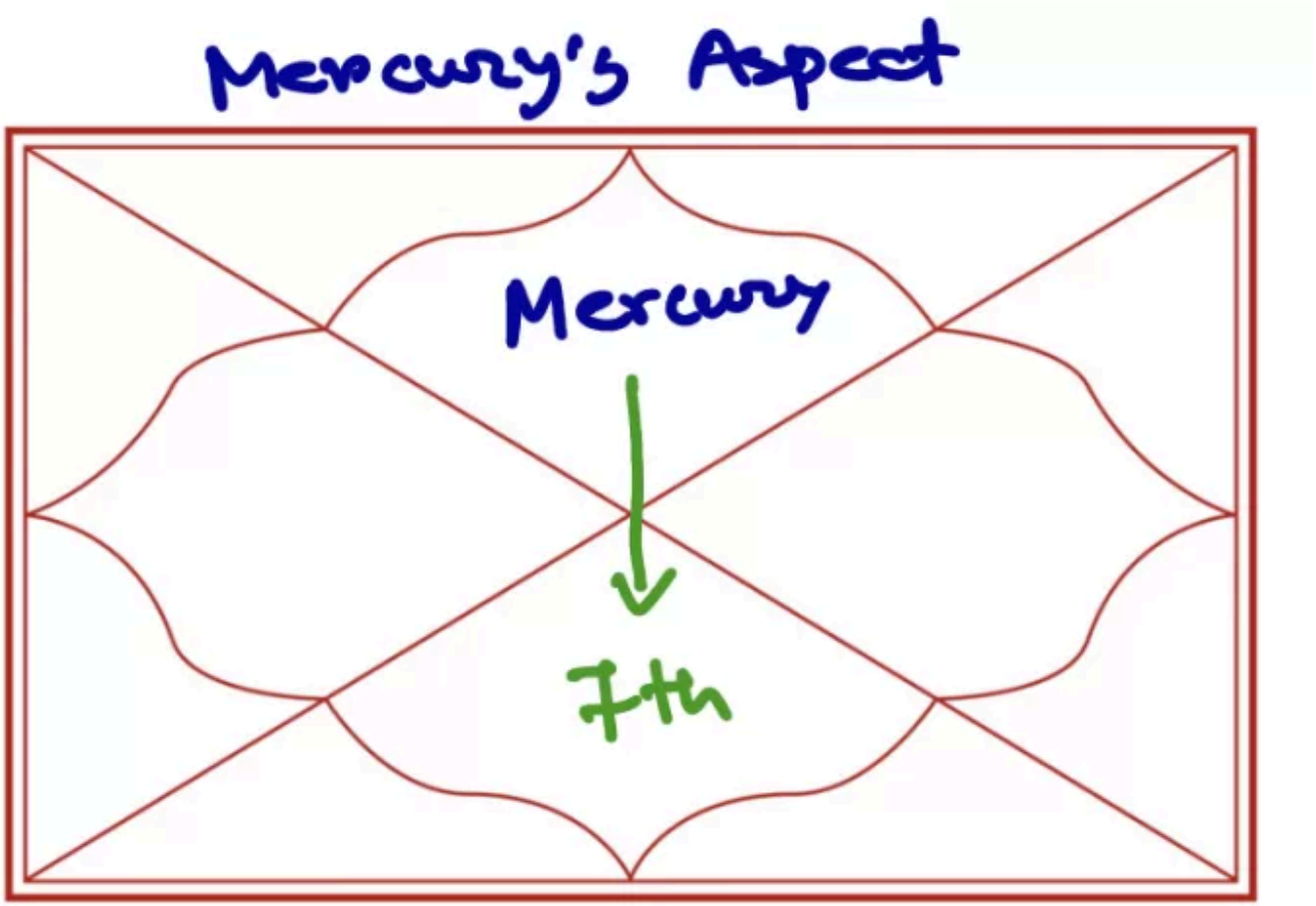
• **पूर्ण दृष्टि (100%):** 7वां भाव
• **दृष्टि का स्वभाव:** अपने ठीक सामने वाले भाव में भावनात्मक जुड़ाव, मानसिक निवेश और पोषणकारी ऊर्जा लाता है।

3. मंगल (Mars) — विशेष दृष्टियां



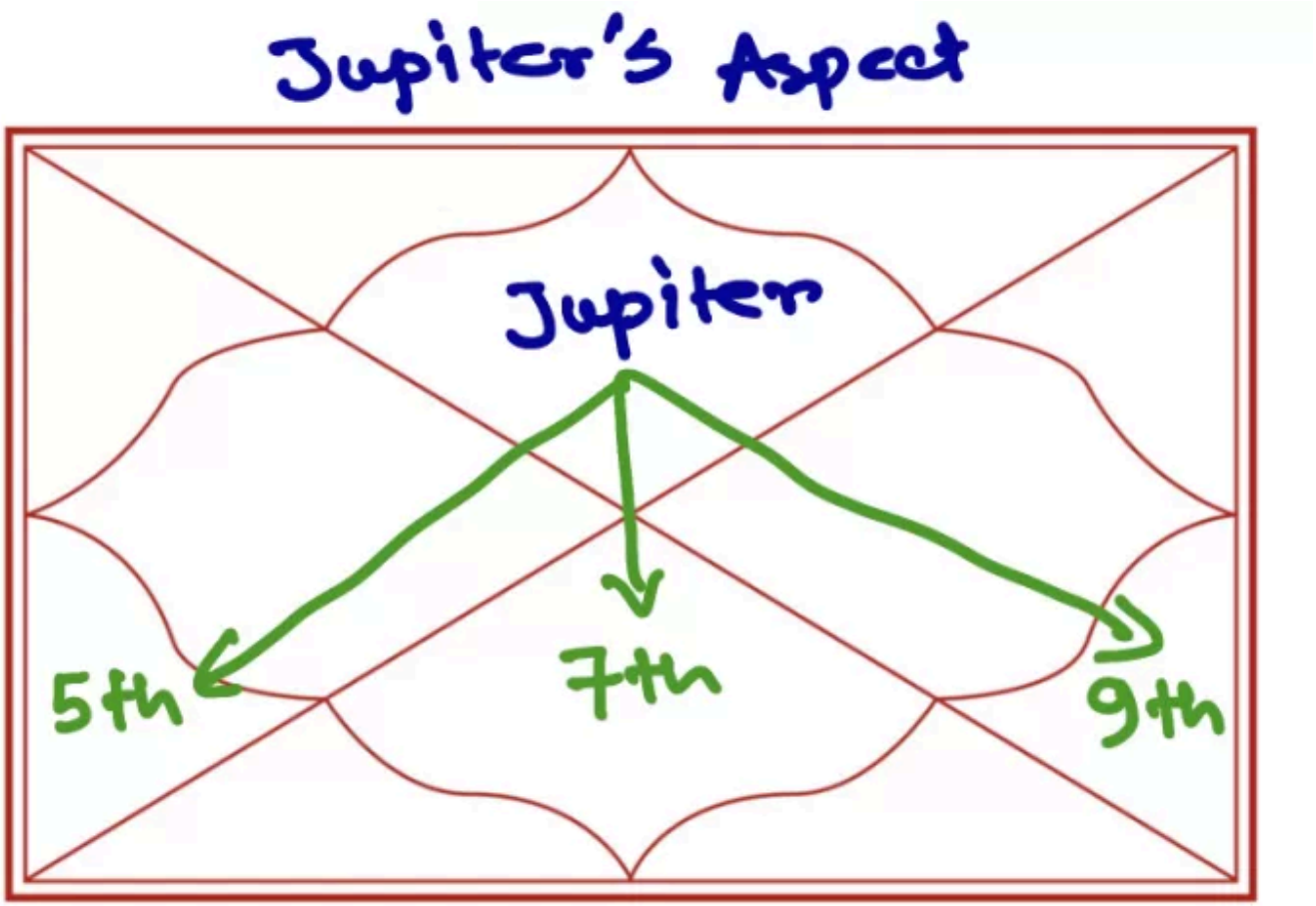
• **पूर्ण दृष्टि (100%):** चौथा भाव, सातवां भाव और आठवां भाव
• **दृष्टि का स्वभाव:**
• चौथी दृष्टि - घरेलू और संपत्ति से जुड़े मामलों की रक्षा करती है और उन्हें ऊर्जा प्रदान करती है।
• सातवीं दृष्टि - साझेदारी में प्रत्यक्ष कार्रवाई और संभावित टकराव लाती है।
• आठवीं दृष्टि - अचानक परिवर्तन और गहरा मनोवैज्ञानिक प्रभाव डालती है।

४. बुध (Mercury)



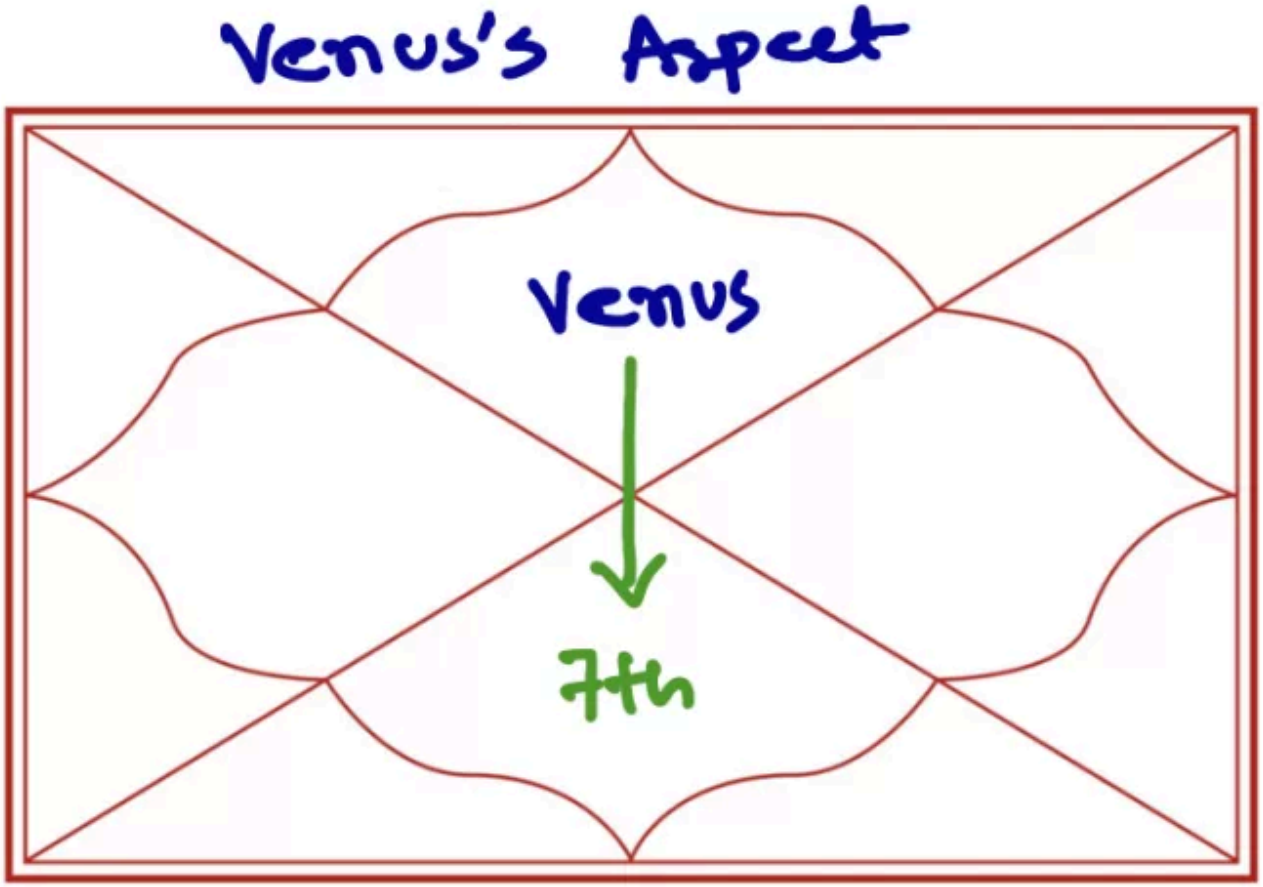
• **पूर्ण दृष्टि (१००%):** ७वां भाव
• **दृष्टि का स्वभाव:** अपने ठीक सामने वाले भाव में तर्क, विश्लेषणात्मक सोच, संवाद और जिज्ञासा लाता है।

5. गुरु / बृहस्पति (Jupiter) — विशेष दृष्टियां



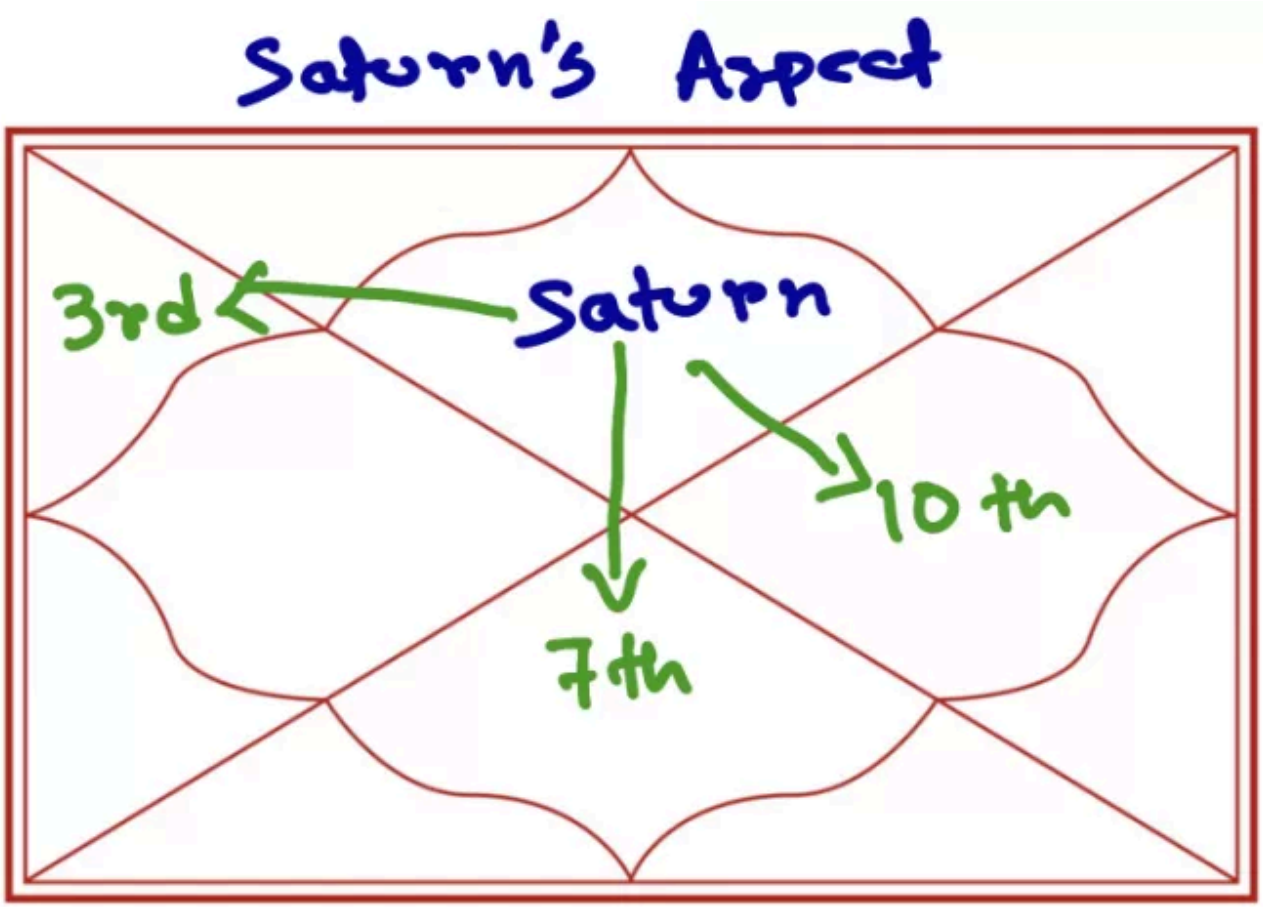
• **पूर्ण दृष्टि (100%):** 5वां भाव, 7वां भाव और 9वां भाव
• **दृष्टि का स्वभाव:** अत्यंत शुभ! बृहस्पति की दृष्टि (अमृत दृष्टि) एक सुरक्षा कवच की तरह कार्य करती है।
• 5वीं दृष्टि - बुद्धि, रचनात्मकता और सौभाग्य का विस्तार करती है।
• 7वीं दृष्टि - साझेदारियों और संबंधों में सामंजस्य लाती है।
• 9वीं दृष्टि - उच्च ज्ञान, भाग्य और धर्म का आशीर्वाद देती है।

6. शुक्र (Venus)



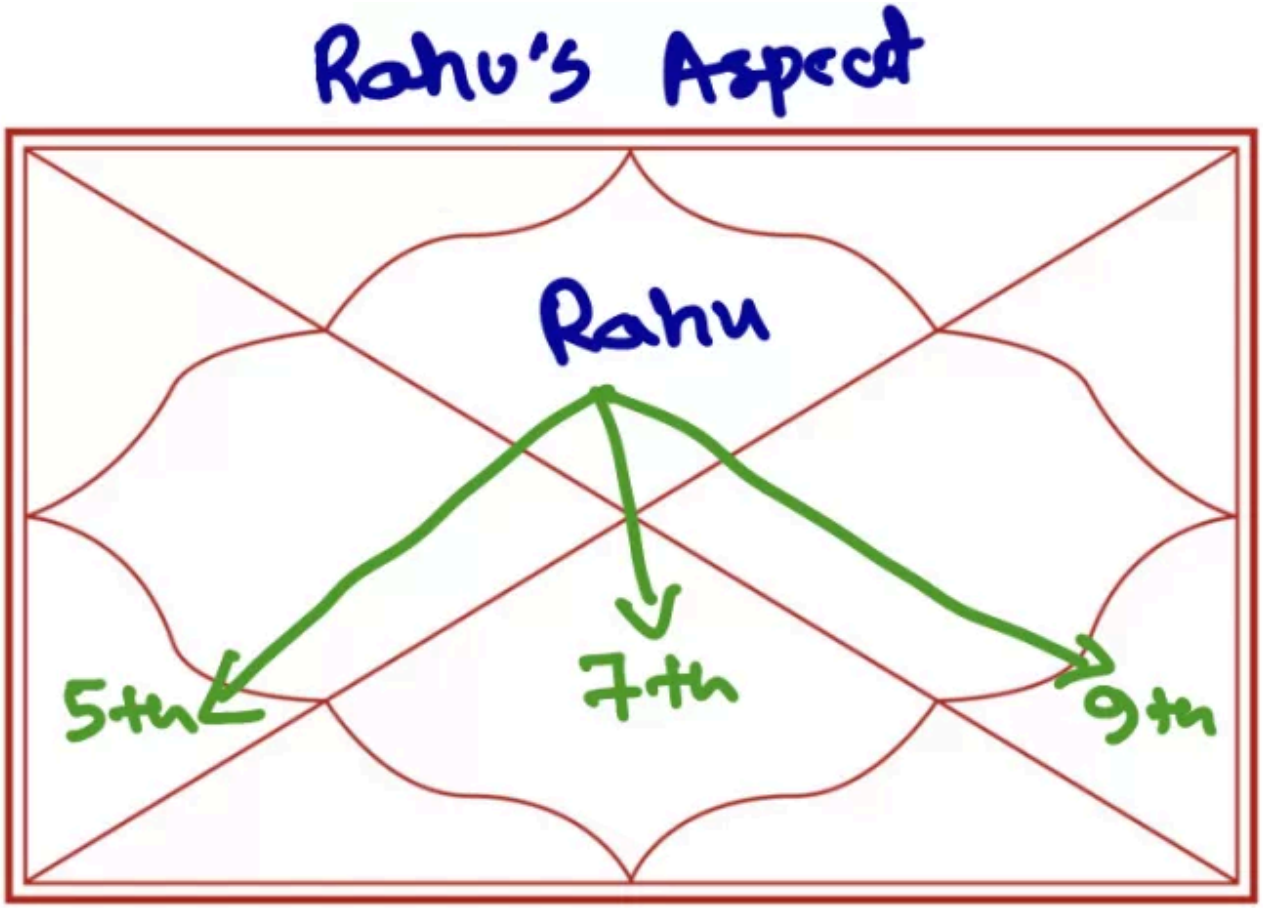
• **पूर्ण दृष्टि (100%):** 7वां भाव
• **दृष्टि का स्वभाव:** अपने ठीक सामने वाले भाव में सौम्यता, सुंदरता, सामंजस्य, इच्छाएं और विलासिता लाता है।

7. शनि (Saturn) — विशेष दृष्टियां



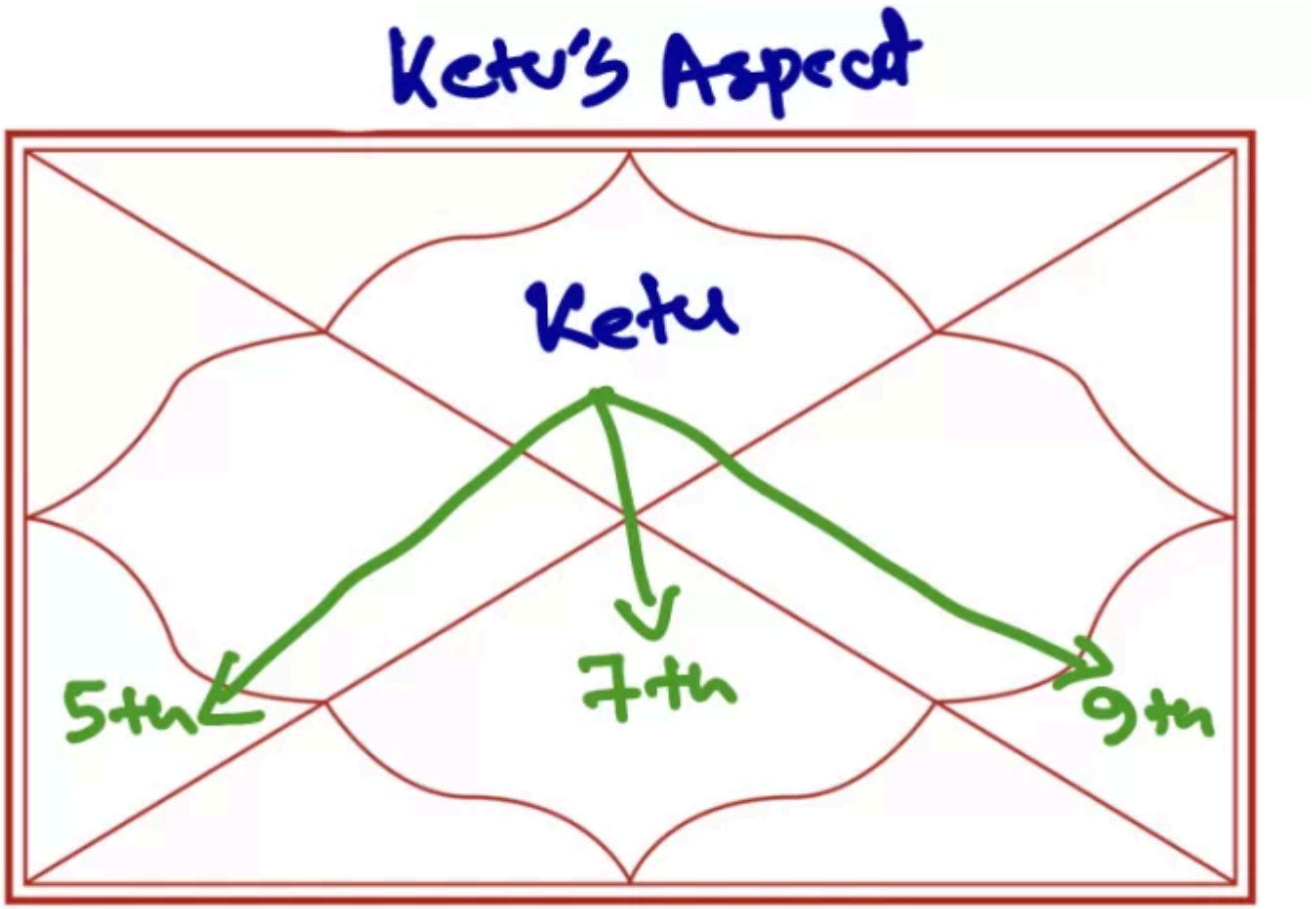
• **पूर्ण दृष्टि (100%):** तीसरा भाव, सातवां भाव और दसवां भाव
• **दृष्टि का स्वभाव:** अनुशासन, परिपक्वता और विलंब की मांग करता है।
• तीसरी दृष्टि - अत्यधिक व्यक्तिगत प्रयास और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता होती है।
• सातवीं दृष्टि - सीमाओं की परीक्षा लेती है और रिश्तों में दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की मांग करती है।
• दसवीं दृष्टि - करियर/कर्म में जिम्मेदारी, कर्तव्य और निरंतर कार्य नैतिकता की मांग करती है।

8. राहु (उत्तरी नोड)



• **पूर्ण दृष्टि (100%):** 7वां भाव (कई परंपराएं बृहस्पति के समान 5वीं और 9वीं विशेष दृष्टि भी मानती हैं)
• **दृष्टि का स्वभाव:** यह जिस भी भाव पर दृष्टि डालता है, उस पर अत्यधिक जुनून, लीक से हटकर इच्छाओं और अचानक विस्तार की छाया डालता है।

9. केतु (दक्षिण नोड)



• **पूर्ण दृष्टि (100%):** 7वां भाव (कई परंपराएं 5वें और 9वें भाव पर भी विशेष दृष्टि मानती हैं; मैं व्यक्तिगत रूप से इसे मानती हूं)
• **दृष्टि का स्वभाव:** दृष्टि वाले भाव पर वैराग्य, अचानक अलगाव, एकांत या गहरा आध्यात्मिक शोध डालता है।

त्वरित सारांश

• **बृहस्पति की दृष्टि** जिस पर भी पड़ती है, उसकी रक्षा करती है और उसका विस्तार करती है।
• **शनि की दृष्टि** जिस पर भी पड़ती है, उसमें देरी लाती है, अनुशासन सिखाती है और कड़ी मेहनत की मांग करती है।
• **मंगल की दृष्टि** जहाँ भी पड़ती है, वहाँ ऊर्जा भरती है, रक्षा करती है या तनाव पैदा करती है।
• **सूर्य/शुक्र/बुध/चंद्रमा** अपने ठीक सामने वाले भाव (180 डिग्री) में अपने मूल स्वभाव का सीधा प्रभाव डालते हैं।

https://astroarpitanath.com/hindi/planetary-aspects/
ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।